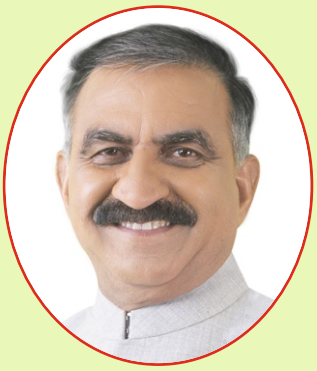

एचपीशिवा

हिमाचल प्रदेश उपोष्णकटिबंधीय बागवानी, सिंचाई एवं मूल्य वर्धन परियोजना

एशियन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित

परियोजना अवधिः 2023—2028

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर - अमरुद

ADB
ASIAN DEVELOPMENT BANK

परियोजना प्रबन्धन इकाई

एचपीशिवा परियोजना, उद्यान विभाग,

नवबहार, शिमला-171002, हिमाचल प्रदेश

फोन-0177-2841120 ईमेल-pmuhpshiva@gmail.com वेबसाईट- https://hpshiva.hp.gov.in

DEPARTMENT OF HORTICULTURE HIMACHAL PRADESH

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें एवं ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई तथा आवश्यक मरम्मत करें।
- बाजार की आवश्यकता तथा दूरी के अनुसार फलों का तुडान करें।
- छोटे पौधों की सिधाई करें व बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें तथा इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- फलों को दाग से बचाने के लिए सारणी अनुसार फफूंदनाशक का छिडकाव करें।

- फलदार पौधों को छोड़कर सभी पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- तना भेदक के हमले पर ध्यान दें और नियंत्रण उपाय अपनाएं।
- छोटे पौधों की सिधाई करें व बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें तथा इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।

- पौधे का तौलिया बनाकर उसमें अनुमोदित मात्रा में 20 किग्रा अच्छी तरह से गला–सड़ा गोबर, एन0पी0के0 तथा सूक्ष्म उर्वरक डालें। ध्यान रहे कि उर्वरक पौधों के तने से कम से कम 6 इंच दूर हो।
- फलदार पौधों को छोड़कर सभी पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- पौध रोपण के लिए स्थल का चयन करें।
- चयन किये हुए स्थल से जांच के लिए मिट्टी के नमूने लें।
- छाल खाने वाले कीट की रोकथाम के लिए स्पिनोसैड (0.2 मिली/ली) या साइपरमेथ्रिन (1 मिली/ली) या साइनट्रेनिलिप्रोल (0.3 मिली/ली) या क्लोरोएंट्रानिप्रोल (0.3 मिली/ली) का छिडकाव करें।
- फलदार पौधों में फल तुडान से कंटाई–छंटाई करने तक सिंचाई बिल्कुल न करें।

- फसल नियमन के लिए नई टहनियों की 25 प्रतिशत तक छंटाई करें।
- नया बगीचा लगाने के लिए भूमि को समतल करने का कार्य करें।
- बाग का लेआउट करें और फल किस्म का चयन करें।
- पौध रोपण के लिए 60×60×60 सेमी आकार के गड्ढे बनाने का कार्य करें।
- नए बगीचे में ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना के लिए सर्वेक्षण करें।
- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- अक्टूबर–नवम्बर में फसल के लिए मई माह के दूसरे सप्ताह में कंटाई–छंटाई करें तथा छांटी गयी पत्तियों से मल्चिंग करें।

- नया बगीचा स्थापित करने के लिए किये गए गढ्ढों में 20 किग्रा गला–सड़ा गोबर, 1 किग्रा नीम केक, 500 ग्राम एसएसपी मिलाकर डालें तथा सिंचाई करें।
- बडे पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- पोषक तत्वों के विश्लेषण के लिए पत्तियों का नमूना लें।
- जून से सितम्बर माह तक फल मक्खी (Fruit Fly) की रोकथाम के लिए फिरोमोन ट्रैप लगाएं।
- नए पौधों की छंटाई का कार्य करें।
- नवम्बर–दिसम्बर में फसल के लिए जून माह के पहले सप्ताह तथा फरवरी माह में फसल के लिए जून माह के अंतिम सप्ताह में कंटाई–छंटाई करें।

- नए बगीचे में बीमारी रहित व स्वस्थ पौधे लगाने का कार्य करें।
- नए पौधों को सहारा देने के लिए लकडी की खूंटी को उपयोग करने से पूर्व दीमक से बचाव के लिए क्लोरोपायरीफास (2 मिली /ली0) के घोल से उपचारित करें।
- पौधों की ज़रूरत अनुसार फर्टिगेशन करें। प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें तथा ड्रिपर की जांच करें।
- समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई तथा आवश्यक मरम्मत करें।
- अंर्तप्रवाही (सिस्टमिक) कीटनाशक तथा मल्टीप्लेक्स का छिड़काव करें।
- मार्च माह में फसल के लिए जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में कंटाई–छंटाई करें।
- जिंक सल्फेट 500 ग्राम, बोरिक एसिड 100 ग्राम एवं कैल्शियम क्लोराइड 400 ग्राम का 100 लीटर पानी में घोल बनाकर फूल आने पर 10–10 दिन के अन्तराल में 3 छिडकाव करें।

- तौलिये के साथ–साथ उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई करें।
- आधार से लगभग 50 सेंटी मीटर ऊंचाई तक पौधों की सभी टहनियों को निकालें।
- भारी बारिश के दौरान पानी निकालने के लिए जल निकासी चैनलों की व्यवस्था करने का कार्य करें।
- सौर बाड़ के आस–पास साफ सफाई करें, बैटरी तथा करंट की नियमित जांच करें।
- फलदार पौधों की हल्की छंटाई करें तथा फलों पर धब्बे (कैंकर) आने की स्थिति में छिडकाव करें।

- सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव करें।
- पौधों की ज़रूरत अनुसार फर्टिगेशन करें। प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें तथा ड्रिपर की जांच करें।
- तौलिये के साथ–साथ उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई करें।
- मिट्टी को वायु परिसंचरण/वातायान (एयर सर्कुलेशन/AERATION) के लिए तौलिये में काम किया जाना चाहिए
- फलदार पौधों की हल्की छंटाई करें तथा फलों पर धब्बे (कैंकर) आने की स्थिति में छिडकाव करें।

- सूखे पौधों को बदलने का कार्य करें।
- छोटे पौधों की सिधाई करें व बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें तथा इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- बगीचा लगने के प्रारंभिक दो वर्षों में रबी की फसलें जैसे मटर, दालें, मसाले, इत्यादि को अंतर फसलों के तौर पर रोपित किया जा सकता है।
- फलों का आकार बढाने के लिए पोटेशियम नाइट्रेट (10 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- जिंक सल्फेट 500 ग्राम, बोरिक एसिड 100 ग्राम, कैल्शियम क्लोराइड 400 ग्राम 100 लीटर पानी में घोल बनाकर फूल आने पर 10–10 दिन के अन्तराल में 3 छिडकाव करें।

- तौलिये में सूखी घास (लगभग 15 सेमी0) या प्लास्टिक शीट से मल्चिंग करें।
- पौधे के साइड वाली टहनियों की छंटाई इस प्रकार करें जिससे कि पेड़ के भीतरी भाग को पर्याप्त रौशनी मिल सके।
- फलदार पौधों को छोड़कर सभी पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- फलदार पौधों से फलों को सुबह के समय तोड़ने का कार्य करें।

- फलदार पौधों को छोड़कर सभी पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- फलों को पौधों से तोड़ना जारी रखें।
- बारिश के तुरंत बाद फल तुडान से बचें।
- तौलिये में सूखी घास (लगभग 15 सेमी0) या प्लास्टिक शीट से मल्चिंग करें।
- सौर बाड़ के आस–पास साफ सफाई करें, बैटरी तथा करंट की नियमित जांच करें।
- फलों को दाग से बचाने के लिए सारणी अनुसार फफूंदनाशक का छिडकाव करें।

तकनीकी सहयोग – *डा0 वाई0 एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, औद्यानिकी एवं वानिकी विद्यालय, नेरी, हमीरपुर।*

एचपीशिवा परियोजना से सम्बंधित जानकारी के लिए संपर्क करें			
निदेशक उद्यान, हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2842390 ई–मेल : horticul-hp@nic.in	परियोजना निदेशक / परियोजना उपनिदेशक / नोडल अधिकारी एचपीशिवा परियोजना प्रबन्धन इकाई, उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2841120 मो : +91-7018615569 / 7018134993 ई–मेल: pmuhpshiva@gmail.com / nodalofficerhpshiva@gmail.com वेबसाइट: https://hpshiva.hp.gov.in	परियोजना उपनिदेशक एचपीशिवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई, जल शक्ति विभाग, जल शक्ति भवन, शिमला फोन :+91-1905-292113 मो : +91-9816573293 / 9418465461 ई–मेल: deepakgarg5461@gmail.com	उप निदेशक उद्यान / जिला समन्वयक / प्रबन्धन विशेषज्ञ बिलासपुर : ddhbilaspur63@gmail.com मण्डी : horticulturemandi@gmail.com कांगडा : ddhkangra@yahoo.in / ddhkangra@gmail.com हमीरपुर : ddhhamirpur@gmail.com सोलन : ddhsolan@gmail.com सिरमौर : ddhsirmour7@gmail.com ऊना : ddhuna@rediffmail.com

समस्त विषय विशेषज्ञ उद्यान, उद्यान विकास अधिकारी, सहायक उद्यान विकास अधिकारी, उद्यान प्रसार अधिकारी एवं क्लस्टर प्रभारी